(7) राज० पत्रिका दि० 06-08-2011

सितम्बर में 41 हजार तृतीय श्रेणी शिक्षकों की भर्ती

पंचायती राज विभाग तय करेगा प्रक्रिया

जयपुर. 41 हजार तृतीय श्रेणी शिक्षकों की भर्ती को लेकर पंचायती राज और शिक्षा विभाग के बीच चल रही खींचतान पर शुक्रवार को विराम लग गया। अब पंचायती राज विभाग ही तृतीय श्रेणी शिक्षकों की भर्ती एवं नियुक्ति करेगा। यह भर्ती सितम्बर में जिलावार होगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव सी.के. मैथ्यू की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई शिक्षा विभाग एवं पंचायती राज विभाग के अधिकारियों की बैठक में 41 हजार तृतीय श्रेणी शिक्षकों की प्रस्तावित भर्ती की प्रक्रिया पर सहमति बनी। बैठक में प्रमुख शासन सचिव (पंचायती राज) प्रवीण गुप्ता एवं प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक डॉ. वीणा प्रधान शामिल हुईं। बैठक में तृतीय श्रेणी शिक्षकों की भर्ती सितम्बर में जिलावार करने पर सहमति व्यक्त की गई। भर्ती की तारीख फिलहाल तय नहीं की गई है। शिक्षा विभाग जिलावार एवं विषय वार शिक्षकों की रोस्टर सूची बनाकर 20 अगस्त तक पंचायती राज विभाग को सौंपेगा। परीक्षा की तारीख, समय, पेपर एवं अन्य प्रक्रिया पंचायतीराज विभाग अपने स्तर पर तय करेगा। परीक्षा आयोजित कराने के लिए नोडल एजेंसी का चयन भी पंचायती राज विभाग करेगा। दोनों विभागों ने इस बात पर भी सैद्धांतिक सहमति दे दी है कि ये भर्तियां एक ही दिन और एक ही समय सभी जिलों में आयोजित की जाए, लेकिन फिलहाल इस पर निर्णय नहीं किया गया है। शिक्षकों की भर्ती के बाद मेरिट सूची जिलावार बनाई जाएगी या राज्य स्तर पर इस विषय पर भी फिलहाल स्थिति साफ नहीं हो पाई है।

(8) दैनिक भास्कर

41 हजार थर्ड ग्रेड शिक्षकों की भर्ती परीक्षा अगले माह

विस. जयपुर| प्रारंभिक शिक्षा में 41 हजार थर्ड ग्रेड शिक्षकों की भर्ती परीक्षा अगले माह आयोजित करने पर सैद्धांतिक सहमति बन गई है। परीक्षा पंचायतीराज विभाग के मार्फत होगी। भर्ती के लिए आवेदन सहित अन्य प्रक्रियाएं पूरे करने का विस्तृत कार्यक्रम जल्द जारी होगा। 20 अगस्त तक शिक्षा विभाग प्रदेश के सभी जिलों का शिक्षकों के पद, खाली स्थान आदि का विस्तृत ब्यौरा पंचायतीराज विभाग को सौंपेगा। प्रारंभिक शिक्षा में फिलहाल 52 हजार शिक्षकों की जरूरत है। शेष | पेज 6

41 हजार तृतीय श्रेणी...

शिक्षा विभाग और पंचायतीराज विभाग के अधिकारियों की हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में परीक्षा मापदण्डों और आयोजन के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में बताया गया कि प्रारम्भिक शिक्षा विभाग ने सभी जिलों के विषयवार और रोस्टर वार पदों की संख्या की सूची तैयार कर ली है और 20 अगस्त तक सभी जिला परिषदों को यह सूची पहुंचा दी जाएगी। इसके बाद जिला परिषदें अपनी समिति के माध्यम से परीक्षा आयोजित कराएंगी और पेपर भी जिला स्तर पर तैयार किया जाएगा। इसके बाद सभी जिलों में सितम्बर महीने में एक ही दिन और एक ही समय में परीक्षाओं का आयोजन होगा। यह तिथि और आयोजन पंचायतीराज विभाग और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग की सहमति से जल्दी तय कर लिया जाएगा। परीक्षा आयोजन के बाद इन्हें जिला परिषद की समितियों के माध्यम से ही नियुक्ति प्रदान की जाएगी। परीक्षा की मेरिट जिला स्तर या प्रदेश स्तर पर बनने के बारे में अभी बैठक में निर्णय नहीं हो पाया है। अधिकारियों का कहना है कि इस संबंध में आगामी दो चार दिनों में निर्णय ले लिया जाएगा। चूंकि अभी टेट परीक्षा का परिणाम नहीं आया है, इसलिए इन विषयों पर अंतिम निर्णय नहीं ले पाए हैं।

✓ (9) दैनिक नवज्योति दि 06-08-2011

41 हजार तृतीय श्रेणी शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू

नवज्योति ब्यूरो

जयपुर, 5 अगस्त। प्रारम्भिक शिक्षा के तहत 41 हजार तृतीय श्रेणी शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिलेवार आयोजित होने वाली इस परीक्षा को जिला परिषदें सितम्बर में आयोजित कराएंगी। इसके लिए प्रारम्भिक शिक्षा विभाग 20 अगस्त तक जिला परिषदों को विषयवार और जिलेवार रिक्त पदों की जानकारी और रोस्टर के आंकड़े भिजवा देगा। शुक्रवार को प्रारम्भिक (शेष पेज 7 पर)

41 हजार थर्ड...

भर्ती जल्द पूरी करने के लिए शुक्रवार को शिक्षा विभाग और पंचायतीराज विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक में लंबे विचार-विमर्श के बाद एक राय बनाई गई। प्रदेशभर में भर्ती के लिए एक ही पेपर होगा। वरीयता सूची जिलेवार बनेगी या राज्यस्तरीय, इस पर तीन-चार दिन में फैसला हो सकता है। परीक्षा के संबंध में विस्तृत कार्यक्रम जल्द जारी किया जाएगा।

(10) समाचार जगत

पंचायतों को बस सेवा से जोड़ने की घोषणा का स्वागत

अखिल भारतीय कांग्रेस सदस्य व जयपुर जिला देहात महिला कांग्रेस अध्यक्ष रमा बजाज ने राज्य सरकार द्वारा सभी पंचायतों को बस सेवा से जोड़े जाने की घोषणा का स्वागत करते हुए इसके लिए मुख्यमंत्री गहलोत तथा यातायात मंत्री बृजकिशोर शर्मा का आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अभी भी कई ग्राम पंचायतें हैं जहां तक बस की सुविधा उपलब्ध नहीं है।